

विदेशी बैंकों मे जमा भारतीय धन समस्या

1. जो धन । भारत देश को । समृद्ध शाली बनाता है ।
2. जो धन । भारत देश कि । उन्नती मे सहायक होता है ।
3. जो धन । भारत देश का । भविष्य का निर्माण करता है ।
4. जो धन । भारत देश कि । आर्थिक स्थिती मजबूत करता है ।
5. जो धन । भारत देश कि जनता के । खून पसीने की कमाई है ।
6. भारतीय जनता के । खून पसीने की कमाई को । कुछ लोग । भारत देश से चुराकर । विदेशी बैंकों मे जमा कर देते हैं । जिसके कारण । भारत की आर्थिक स्थिती । कमजोर होती है ।
7. कुछ लोगों को । यह अटल विस्वास होता है । कि उनकी आने वाली । 50 य 100 य । इससे भी अधिक पीढियां । अन्धी । लूली । लंगडी । बहरी । पागल । मूर्ख । पैदा होने वाली है । वो खुद कमाकर नहीं खा सकती । इसीलिए कुछ लोग । 50 य 100 य । इससे अधिक पीढियों के लिए । धन इकट्ठा करते हैं ।

बुजुर्गों ने कहा है

पूत सपूत तो । क्या धन संचय ।।

पूत कपूत तो । क्या धन संचय ।।

1. लेकिन कुछ । लोगो के दिमाग मे । बुजुर्गों की बात । बैठेगी कहाँ से ।
2. क्योंकी । बुजुर्गों की बात तो । बुद्धदीमान । समझदार लोगों के । दिमाग मे बैठती है । खेर ----

समस्या नगद रूपया नोट धन

1. आज विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट के चलन से ।
2. नगद रूपया नोट व्दारा । कुछ भी । खरीदी कर सकने की आजादी से ।
3. नगद रूपया नोट व्दारा । कितना भी । खरीदी कर सकने से ।
4. नगद रूपया नोट को । कैसे भी । खर्चा कर सकने की आजादी से ।
5. हमेशा । बहुत । बडे बडे । भयंकर । अपराध होते हैं ।
6. आज विश्व मे । य किसी भी । भारतीय नागरिक के पास । रूपया नोट । किसी भी रास्ते से आये ।
7. चाहे 1. चोरी से आए । 2. डकैती से आए । 3. लूटमार से आए । 4. जेब कतरी से आए । 5. अपहरण से आए । 6. जाली नोटो से आये । 7. सट्टा से आए । 8. मटका से आए । 9. जुंवा से आए । 10. झूठ बोल कर आए । 11. छलकपट करके आए । 12. बेईमानी करके आए । 13. गद्दारी करके आए । 15. धोखा देकर आए । 16. तस्करी से आए । 17. नशीला पदार्थ बेंचकर

8. आये । 18. हवाला से आए । 19. हप्ता वसूली से आए । 20. गाड़ियाँ चोरी से आए । 21. सोना लूटकर आए । 22. चाँदी लूट कर आए । 23. नग लूटकर आए । 24. नगद रूपया लूटकर आए । 25. जमीनी दलाली से आए । 26. काला बाजारी से आए । 27. मुनाफा खोरी से आए । 28. रिस्वत से आए । 29. काला धन से आए । 30. टैक्स चोरी करके आए । 31. जनता द्वारा जमा टैक्स लूटकर आए । 32. देश सुरक्षा वैपन की दलाली से आए । 33. देश की गुप्त जानकारीयां बेचने से आए । 34. देश का खनिज बेंचकर आए । 35. जंगल काट कर आए । 36. जंगल की कीमती लकड़ी बेंच कर आए । 37. जंगली जानवरों को बेच कर आए । 38. जंगली जानवरों के अंग बेच कर आए । 39. बैंक डकैती से आए । 40. बैंक से गबन से आए । 41. बैंक दिवालिया से आए । 42. बैंक धन हेरा फेरी से आए । 43. बैंक ए टी एम चोरी से आए । 44. इंसानी खरीद बिक्री से आये । 45. वैश्यावृत्ति से आए । 46. वैश्याओं की दलाली से आए । 47. दहेज से आए । 48. दूसरी शादी से आए । 49. बच्चों से भीख माँग कर आए । 50. भीख माँग कर आए । 51. भ्रूण हत्या से आए । 52. खून बेच कर आए । 53. भ्रष्टचाचार से आए । 54. स्कूली डोनेशन से आए । 55. स्कूली मनचाही फीस से आए । 56. टियूशन य क्लासेस की मनचाही फीस से आए । 57. मरीजों से मनचाहा धन लेकर आए । आदि य अन्य किसी भी । अनैतिक रास्ते से आए ।
9. रूपया नोट धन । हाथ में आते ही । व्यक्ति । उस रूपया नोट धन का । मालिक हो जाता है ।
10. उस रूपया नोट से । कुछ भी खरीद सकता है । कितना भी खरीद सकता है ।
11. नागरिक । उस रूपया नोट धन को । मनमर्जी तरीके से खर्चा करता सकता है ।
12. क्योकी । खर्चा करने में । कोई रोक टोक नहीं है । रूपया नोट धन को खर्चा करने की । खुली आजादी है । .

आज नागरिक को आजादी है की

1. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी घर खरीदे ।
2. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी बंगले खरीदे ।
3. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी कोठी खरीदे ।
4. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी प्लाट खरीदे ।
5. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी खेती जमीन खरीदे ।
6. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी सोना खरीदे ।
7. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी चाँदी खरीदे ।
8. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी नग खरीदे ।
9. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी गाड़ियां खरीदे ।

10. नगद रूपया नोट धन । देश । य विदेशों के । किसी भी बैंक में । धन जमा करे । कोई रोक टोक नहीं है ।
11. रूपया नोट । जिसके जिसके हाँथ में है । वह व्यक्ति रूपया नोट का । मालिक होता है । वह रूपया नोट को । जैसे चाहे । वैसे खर्चा कर सकता है ।
12. व्यक्ति के । गाड़ी मेहनत की कमाई । किसी भी । दूसरे व्यक्ति के । हाँथ में आते ही ।
13. व्यक्ति आसानी से । खर्चा कर सकता है ।
14. यह एक । महान अव्वतीय सुविधा है । जो हमारे पूर्वजों ने । हमें बनाकर दिया है ।
15. कि हम इंसानी समस्याओं को । आसानी से हल कर सके ।
16. लेकिन हम । स्वार्थी लोग । स्वार्थ में अन्धे होकर । पूर्वजों द्वारा बनाई गई । इस महान अव्वतीय सुविधा का । गलत उपयोग करने लगे हैं ।
17. इसे रोकना बहुत जरूरी है ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नहीं मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बड़े नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनों सेना । तीनों सेनाओं के अध्यक्ष राष्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ़ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बड़े व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट बकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राइवेट आर्कीटेक्ट । चार्टर्ड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बड़े किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नहीं मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने में मदद करते हैं ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम में दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी में । खराब सिस्टम में फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नहीं मानता है । भारत सरकार भी । बिगड़े हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नहीं है ।
7. आज विश्व में । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ में । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नहीं कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ में होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।

10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोषी नहीं मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोषी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे में । य भारत सरकार के बारे में । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोषी बनाने के उद्देश्य से । नहीं लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे जो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्याओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम द्वारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोषी नहीं ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

समाधान उपाय जीसियो नियम फार्मूला नगद धन

1. विश्व में । य भारत में । नगद रूपया नोट का चलन बन्द होकर । नगद रूपया नोट की जगह ।
2. कार्डों का चलन होने से । विश्व की । य भारत की । सभी समस्याओं का । अन्त हो जायेगा ।
3. कार्डों का चलन होने पर । जिस व्यक्ति के । गाड़ी मेहनत की कमाई है । सिर्फ । वही व्यक्ति खर्चा कर सकता है ।
4. किसी भी दूसरे व्यक्ति के । हाँथ में आने पर भी । दूसरा व्यक्ति । किसी के गाड़ी मेहनत की कमाई । खर्चा नहीं कर सकता है ।
5. आज हमारे भारत में । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ में चली जाये । वही व्यक्ति उस धन का । मालिक बन जाता है ।
6. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति । उपयोग नहीं कर सकता ।

भारत का धन

1. भारत का धन । किसी भी । कार्ड से । लेन देन । भारत की सीमा के अंदर । भारतीय नागरिक से । भारत के किसी भी कार्ड से ही । लेन देन किया जा सकता है ।
2. भारत का धन को । भारत के बाहर । विदेश के । किसी भी कार्ड से । लेन देन नहीं । किया जा सकता है ।
3. भारत का धन । किसी भी । कार्ड से । धन । भारत के सीमा के बाहर । नहीं भेजा जा सकता ।

भारत की सभी समस्याओं का अन्त
सिस्टम चेन्ज
विदेशी बैंकों में जमा भारतीय धन

4. भारत का धन । किसी भी । कार्ड से । धन । भारत के सीमा के बाहर । विदेश के । किसी भी बैंक में । नहीं जमा । किया जा सकता ।
5. भारत का धन । भारत की सीमा के बाहर । धन भेजने के लिए । किसी भी । कार्ड अंकित वैध धन को । भारत के विदेश मंत्रालय में जमा करके । उस देश में । चलित नोट रूपया ही । भेजे जा सकते हैं ।

विदेश का धन

1. विदेश का धन । भारत की सीमा के । बाहर का धन । भारत लाने के लिए । धन को । भारत के विदेश मंत्रालय में । जमा करके । धन को किसी भी । कार्ड में । अंकित कराना होगा ।
2. विदेश का धन । भारत के सीमा के बाहर के । किसी भी बैंक का धन । सीधे सीधे । भारत के किसी भी कार्ड में । अंकित । जमा नहीं होगा ।
3. विदेश का धन । भारत के सीमा के बाहर के । विदेश के । किसी भी बैंक से । धन । भारत लाने के लिए । धन को । भारत के विदेश मंत्रालय में जमा करके । धन को । किसी भी । कार्ड में अंकित । जमा कराना होगा ।

जीसियो नियम का प्रभाव

1. भारत सरकार । जिस दिन । यह एलान करेगी कि ।
2. आज से । जीसियो नियम लागू होगा ।
3. आज से । रूपया सिक्कों का प्रभाव । खतम हो रहा है ।
4. आज से । रूपया । सिक्कों का । चलन बंद होगा ।
5. आज से । रूपया सिक्कों की जगह । कार्डों का चलन होगा ।
6. उसी दिन से । भारतीयों का । विदेशों में जमा काला धन । प्रभाव हीन हो जायेगा ।
7. उसी दिन से । भारत में छुपा काला धन । प्रभाव हीन हो जायेगा ।
8. उसी दिन से । भारतीय । विदेशों में धन जमा । नहीं कर सकते ।
9. उसी दिन से । भारत सरकार । भारतीयों का विदेशों में जमा । काला धन । आसानी से मंगा सकती है ।

जय विश्व अग्रणी भारत की